

श्री १९९१ रविशंकर कुमार द्वारा कोरिये वकील सा.पत्र प्रस्तुत  
कारण पर पत्रव्यवस्था द्वारा कोरिये कोर्ट ऑफिस में प्रेषित।  
पुनरागत में लोक अदालत की भावना से पत्रव्यवस्था के मध्य  
द्वारा में सौजन्य से धारण के वादी वादपत्र को आगे  
वही व्यवस्था चाहते हैं तथा इसी स्तर पर श्रावण  
करवाया चाहते हैं। वादी के विवेदन पर वादपत्र  
इसी स्तर पर श्रावण किया जाता है। पत्रव्यवस्था कोरिये  
कुमार से कर लेकर के काम हो तथा दारिद्र्य दूर रहे।